Department of Political Science
D.B. College, Jaynagar
B.A III - Pub - Ad -

BY. DR. A.K. Yadav
Asstt Prof (G.P.T.T)
Political Science

Date - 14-10-2020

Lecture-No- 16 And 17

विकेन्द्रीकरण के गुण
(Merits of Decentralisation)

① यह प्रजातांत्रिक होता है, क्योंकि इसमें अधिकारियों के बीच कार्यों का विभाजन कर दिया जाता है और अधिक कार्य स्थानीय तथा निम्न अधिकारियों को सौंप दिए जाते हैं।

② केन्द्रीकरण की तरह इसमें प्रशासनिक कार्य बिना जानकारी के नहीं किए जाते हैं, क्योंकि इसमें प्रशासन का सम्बन्ध स्थानीय समस्याओं से होता है। जिनकी उसे पूरी जानकारी होती है। इसलिए गलत कार्य नहीं होता है।

③ इस प्रणाली के कार्यों में विकेन्द्रीकरण होने के कारण कार्य-सुगमता तथा तीव्रता आती है।

④ इससे प्रशासन में कार्यकुशलता आती है तथा लालफीताशाही नहीं पनपती है।

विकेन्द्रीकरण के अवगुण
(Demerits of Decentralisation)

① इसमें एकरूपता का अभाव होता है। इसकी वजह से सब अपनी-अपनी ढपली का राग अलापते हैं।

② यह प्रणाली खर्चीली है।

③ इसमें समन्वय का पूर्ण अभाव रहता है।

④ इसमें स्थानीय समस्या की इतनी उलझन होती है कि कोई राष्ट्र के बारे में नहीं सोचता है जिससे राष्ट्रीय हित की उपेक्षा होती है।

केन्द्रीकरण और विकेन्द्रीकरण के बीच समझौता कर नीति-निर्धारण केन्द्रीय सत्ता पर तथा कार्यान्वयन विकेन्द्रीकरण के अनुसार यदि काम किया जाए

Scanned with CamScanner

तो प्रशासन दोनों गुणों के आधार पर संगठित किया जा सकता है। वस्तुतः केन्द्रीयकरण और विकेन्द्रीकरण सत्ता संचालन के दो छोर हैं। आज के युग में ऐसे संगठन की कल्पना नहीं की जा सकती है, जो पूर्णतः केन्द्रीकृत या विकेन्द्रीकृत हो। क्योंकि इन दोनों के प्रयोग के बीच सन्तुलन की निरन्तरता होती है। इन दोनों के सम्मिलित रूप से सत्ता में स्थिरता, जवाबदेही, दक्षता, प्रभावोत्पादकता होती है। अपना अस्तित्व बनाये रखने हेतु एक संगठन को कुछ ऐसे कार्य करने ही होते हैं जो मूल रूप से स्वरूप एवं प्रकार में केन्द्रीकृत होते हैं। जैसे—योजना, संगठन अभिप्रेरणा, समन्वय, नियंत्रण आदि। लेकिन यदि सत्ता लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप करने पर बल दिया जाता है, तो विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया महत्वपूर्ण हो जाती है। इस व्यवस्था में प्रशासकीय संगठन के विभिन्न स्तरों एवं इकाइयों के अन्तर्गत उस क्षमता का विकास होता है, जिससे सबसे अधिक वांछित निर्णय लिये जा सकते हैं। यह व्यवस्था प्रशासकीय स्तर पर अधिकाधिक पारस्परिक सम्बन्ध स्थापित करने में सहायक होती है तथा संगठन एवं जनसाधारण के बीच उचित सम्पर्क स्थापित करती है। इस प्रकार केन्द्रीकरण एवं विकेन्द्रीकरण दोनों ही व्यवस्थाएँ एक-दूसरे की पूरक या एक-दूसरे से सम्बन्धित हैं।

End

Conti → Next · Lecture ·

Scanned with CamScanner